धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान (DAJGUA)

भारत के प्रधानमंत्री ने **झारखंड के हजारीबाग** में धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान (DAJGUA) का शुभारंभ किया।

पृष्ठभूमि

- इस योजना को **18 सितंबर 2024** को कैबिनेट की मंजूरी मिली।
- इसकी योजना **पीएम-जनमन** की सीख और सफलता के आधार पर बनाई गई है, जिसे प्रधानमंत्री द्वारा **15 नवंबर, 2023** को जनजातीय गौरव दिवस पर लॉन्च किया गया था।

प्रमुख बिंदु

- धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का लक्ष्य भारत सरकार के 17 मंत्रालयों द्वारा अभिसरण और पहुंच के माध्यम से कार्यान्वित 25 हस्तक्षेपों के माध्यम से सामाजिक बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका में महत्वपूर्ण अंतराल को भरना है; तथा जनजातीय क्षेत्रों और समुदायों का समग्र और सतत विकास सुनिश्चित करना है।
- **मंत्रालय :** यह जनजातीय मामलों के मंत्रालय के अधीन है।
- **कवरेज** : अभियान लगभग **63,843** गांवों को कवर करेगा, जिससे 549 जिलों में 5 करोड़ से अधिक आदिवासी लोग लाभान्वित होंगे और 30 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के सभी आदिवासी बहुल गांवों और आकांक्षी ब्लॉकों में फैले 2,911 ब्लॉक लाभान्वित होंगे।
- **कुल परिव्यय :** इस योजना का कुल परिव्यय **79,156 करोड़ रुपए** (केंद्रीय हिस्सा : 56,333 करोड़ रुपए और राज्य का हिस्सा : 22,823 करोड़ रुपए) है।

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता हब

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने '**लेटर ऑफ इंटेंट**' पर हस्ताक्षर करने को मंजूरी दे दी है जिससे भारत '**ऊर्जा दक्षता हब**' में शामिल होने में सक्षम हो गया है।

प्रमुख बिंदु

- भारत अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता केंद्र में शामिल होगा।
- वैधानिक एजेंसी ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी (बीईई) **को भारत की ओर से हब के लिए कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में नामित किया गया है**।
- ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी हब की गतिविधियों में भारत की भागीदारी को सुविधाजनक बनाने और यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा कि भारत का योगदान अपने राष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता लक्ष्यों के साथ संरेखित हो।

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता केंद्र क्या है?

- यह एक वैश्विक मंच है जो सहयोग को बढ़ावा देने और दुनिया भर में ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।
- **स्थापना** : इसकी स्थापना **वर्ष 2020** में ऊर्जा दक्षता सहयोग के लिये अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी (International Partnership for Energy Efficiency Cooperation- IPEEC) के उत्तराधिकारी के रूप में की गई थी, जिसमें भारत इसका सदस्य था।
- हब ज्ञान, सर्वोत्तम प्रथाओं और अभिनव समाधानों को साझा करने के लिए सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और निजी क्षेत्र की संस्थाओं को एक साथ लाता है।
- **शामिल देश** : जुलाई, 2024 तक, 16 देश (अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, डेनमार्क, यूरोपीय आयोग, फ्रांस, जर्मनी, जापान, कोरिया, लक्जमबर्ग, रूस, सऊदी अरब, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम) हब में शामिल हो गए हैं।

Bharat joins the Energy Efficiency Hub under IEA

- ✓ Bharat will join the "Energy Efficiency Hub" (under International Energy Agency)
- ✓ Existing members include: United States, United Kingdom, China, France, Germany, Japan, Korea, Russia, Saudi Arabia
- ✓ Objectives of the Energy efficiency Hub:
  - Foster collaboration and enhance global energy efficiency efforts.
  - Facilitate knowledge sharing between countries, international organisations and private sector.
  - Increase visibility of energy efficiency issues on the global stage.
- ✓ Bureau of Energy Efficiency will be the implementing agency for the Hub

लाभ

- ❖ यह कदम **सतत विकास के लिए भारत की प्रतिबद्धता को मजबूत करता** है और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के अपने प्रयासों के साथ संरेखित करता है।
- ❖ भारत को विशेषज्ञों और संसाधनों के विशाल नेटवर्क तक **पहुंच प्राप्त होगी**, जिससे वह अपनी घरेलू ऊर्जा दक्षता पहलों को बढ़ाने में सक्षम होगा।
- ❖ हब के सदस्य के रूप में, भारत **अन्य सदस्य देशों के साथ सहयोग के अवसरों** से लाभान्वित होगा, अपनी विशेषज्ञता साझा करेगा और अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं से सीखेगा। देश **ऊर्जा-कुशल प्रौद्योगिकियों और प्रथाओं को बढ़ावा देकर जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने के वैश्विक प्रयासों में** भी योगदान देगा।
- ❖ इस वैश्विक मंच में भारत की भागीदारी कम कार्बन वाली अर्थव्यवस्था में संक्रमण में तेजी लाने और ऊर्जा सुरक्षा में सुधार करने में मदद करेगी।

ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (BEE)

- ❖ यह **1 मार्च 2002** को ऊर्जा संरक्षण अधिनियम, 2001 के तहत स्थापित किया **गया था**।
- ❖ इसका उद्देश्य अधिनियम के समग्र ढांचे के भीतर स्व-विनियमन और बाजार सिद्धांतों पर जोर देने के साथ नीतियों और रणनीतियों को विकसित करने में सहायता करना है।

भारत की पहली सुपर-कैपेसिटर उत्पादन सुविधा

इलेक्ट्रॉनिक घटकों के विश्व स्तरीय निर्माता बनने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, **केल्ट्रॉन कंपोनेंट कॉम्प्लेक्स लिमिटेड (केसीसीएल)** ने **केरल के कन्नूर** में **भारत की पहली सुपर-कैपेसिटर उत्पादन सुविधा स्थापित की है।**

प्रमुख बिंदु

- ❖ **पहला चरण :** 42 करोड़ रुपये की परियोजना का पहला चरण 18 करोड़ रुपये की लागत से पूरा हो चुका है।
- ❖ इसमें आवश्यक बुनियादी ढांचे जैसे ड्राई रूम और उत्पादन सुविधाएं शामिल हैं जो प्रतिदिन 2,100 कैपेसिटर देने में सक्षम हैं।
- ❖ **सहयोग :** परियोजना को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन **के सहयोग से लागू किया जा रहा है।**

सुपर कैपेसिटर क्या हैं?

- ❖ **सुपर-कैपेसिटर एक उच्च क्षमता वाला कैपेसिटर होता है** जिसकी धारिता सामान्य कैपेसिटर से बहुत अधिक होती है, लेकिन वोल्टेज सीमा कम होती है।
- ❖ यह **इलेक्ट्रोलाइटिक कैपेसिटर की तुलना में प्रति यूनिट वॉल्यूम या द्रव्यमान में 100 गुना अधिक ऊर्जा संग्रहीत करता है**। इनका उपयोग मोटर वाहन, नवीकरणीय ऊर्जा से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स तक कई अनुप्रयोगों में किया जा रहा है।
- ❖ जिन उद्योगों को लाभ मिलेगा उनमें परिवहन, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा उपकरण, अंतरिक्ष प्रक्षेपण वाहन और औद्योगिक शामिल हैं।

ONLYIAS BY PHYSICS WALLAH

वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम (VSHORADS)

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने 03 और 04 अक्टूबर, 2024 को राजस्थान के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में चौथी पीढ़ी, तकनीकी रूप से उन्नत लघु लघु दूरी की वायु रक्षा प्रणाली (VSHORADS) के तीन उड़ान-परीक्षण सफलतापूर्वक किए।

समाचार पर अधिक जानकारी

- ये परीक्षण उच्च गति वाले लक्ष्यों के विरुद्ध किए गए, जिनमें अधिकतम सीमा और अधिकतम ऊंचाई पर अवरोधन के अत्यंत महत्वपूर्ण मापदंडों का प्रदर्शन किया गया।
- इन विकास परीक्षणों ने विभिन्न लक्ष्य संलग्न परिदृश्यों में हथियार प्रणाली की **हिट-टू-किल** क्षमता की पुनरावृत्ति को प्रदर्शित किया, जिसमें निकट आना, पीछे हटना और क्रॉसिंग मोड शामिल थे।

प्रमुख बिंदु

- VSHORADS एक **मैन पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम है**।
- इसे अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं और विकास सह उत्पादन साझेदार (DCPP) के सहयोग से अनुसंधान केंद्र इमारत (RCI) द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया गया है।
- **तीनों सेनाएं** प्रारंभ से ही परियोजना से जुड़ी रही हैं और विकासात्मक परीक्षणों के दौरान भाग लिया है।
- VSHORADS प्रक्षेपास्त्रों का विकास पूरा कर लिया गया है और दो उत्पादन एजेंसियों को विकास सह उत्पादन भागीदार (DCPP)मोड में लगाया गया है।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना

सरकार ने प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना का पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया।

पृष्ठभूमि

इस योजना की घोषणा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने **केंद्रीय बजट 2024-25** में की थी।

प्रमुख बिंदु

- **उद्देश्य** : इस योजना का उद्देश्य पांच वर्षों में शीर्ष 500 कंपनियों में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करना है।
- **पायलट** प्रोजेक्ट की कुल लागत 800 करोड़ रुपये होगी और इसे **गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तराखंड और तेलंगाना** के **सात जिलों** में शुरू किया जाएगा।
- **कार्यान्वयन** : इसे ऑनलाइन पोर्टल pminternship.mca.gov.in के माध्यम से क्रियान्वित किया जाएगा।
- **अवधि** : इंटर्नशिप की अवधि 12 महीने होगी।
- इस पायलट परियोजना के लिए शीर्ष कंपनियों की पहचान पिछले तीन वर्षों के औसत कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व व्यय के आधार पर की गई है। इस योजना में कंपनियों की भागीदारी स्वैच्छिक है। इसके अलावा, कोई अन्य कंपनी, बैंक या वित्तीय संस्थान जो इस योजना में भाग लेने का इच्छुक है, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के अनुमोदन से ऐसा कर सकता है।
- **पात्रता** : **21 से 24 वर्ष की आयु** के युवा जो पूर्णकालिक नियोजित नहीं हैं और पूर्णकालिक शिक्षा में भी शामिल नहीं हैं, योजना के लिए पात्र हैं।

लघु समाचार- उत्तर प्रदेश

- **उत्तर प्रदेश के अमरोहा के गजरौला निवासी राम सिंह बौद्ध के** पास रेडियो का सबसे बड़ा संग्रह होने के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड से मान्यता प्राप्त है।
  - गिनीज रिकॉर्ड कीपर्स ने पुष्टि की कि "रेडियो का सबसे बड़ा संग्रह 1,257 है और राम सिंह बौद्ध द्वारा हासिल किया गया था,"

समाचार में प्रजातियां

ब्राउन वाइन स्नेक 	❖ दुधवा नेशनल पार्क (डीएनपी) के फील्ड बायोलॉजिस्ट **विपिन कपूर सैनी ने दुधवा नेशनल पार्क (डीएनपी) के दक्षिण सोनारीपुर रेंज के बांकी ताल में भूरे रंग के बेल सांप को देखा**। ❖ यह एक ऐसी प्रजाति के रूप में उभरी **जो दुधवा या यहां तक कि उत्तर प्रदेश राज्य** के वन्यजीव इतिहास में कभी भी प्रलेखित नहीं हुई। ❖ भूरे रंग के बेल सांप में एक **पतला शरीर वाला सांप होता है जो एक बेल या टहनी जैसा** दिखता है और लगभग सूखे पत्ते के साथ घुलमिल जाता है। ❖ इसका **प्राणि विज्ञान नाम 'अहातुल्ला प्रसीना' है**। ❖ भूरे रंग का बेल सांप दुधवा में सरीसृप की दूसरी ऐसी शानदार खोज है। ❖ इससे पहले, 19 फरवरी, 2019 को, **एक दुर्लभ सांप 'रेड कोरल खुकरी'** जिसका जूलॉजिकल नाम 'ओलिगोडिन खेरिएन्सिस' है, जिसकी 1936 में दुधवा जंगलों में पहली खोज के बाद फिर से खोज की गई थी।

महत्वपूर्ण दिन/तिथियां

अक्टूबर 4	**विश्व पशु दिवस** 	❖ यह हर साल 4 अक्टूबर को मनाया जाता है। ❖ **थीम 2024** : दुनिया भी उनका घर है। ❖ यह **पहली बार 24 मार्च, 1925 को बर्लिन, जर्मनी के स्पोर्ट्स पैलेस में मनाया गया था**। ❖ यह दिन साइटोलॉजिस्ट और पशु संरक्षण अधिवक्ता हेनरिक ज़िमर्मन की पहल का प्रतीक है। ❖ 1929 में, असीसी के सेंट फ्रांसिस के पर्व दिवस के साथ संरेखित करने के लिए तारीख को 4 अक्टूबर को स्थानांतरित कर दिया गया था, जिसे जानवरों के प्रति उनकी करुणा और श्रद्धा के लिए मनाया जाता है।

महत्वपूर्ण समाचार- अन्य राज्य

हिमाचल प्रदेश	हिमाचल प्रदेश सरकार ने **अपने शहरी निवासियों के लिए उनके घरों में टॉयलेट सीट की संख्या के आधार पर एक नया कर पेश किया है**।
महाराष्ट्र	भारत के प्रधानमंत्री ने बंजारा समुदाय की समृद्ध विरासत का जश्न मनाते हुए, **महाराष्ट्र के वाशिम में पोहरदेवी में बंजारा विरासत संग्रहालय** का उद्घाटन किया। चार मंजिला संग्रहालय में 13 दीर्घाएं हैं जो बंजारा समुदाय के नेताओं और बंजारा आंदोलन के चित्रों के माध्यम से बंजारा विरासत को दर्शाती हैं।

नई दिल्ली	**अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव और पर्यावरण और वन्यजीव मंच, वातावरण का** उद्घाटन नई दिल्ली के पर्यावरण भवन में किया गया। **तीन दिवसीय फिल्म समारोह का विषय "वेटलैंड्स फॉर लाइफ" है,** जो आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी तंत्र की जागरूकता और संरक्षण पर केंद्रित है।

❍❍❍❍

ONLYIAS BY PHYSICS WALLAH